षोडश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 12 फाल्गुन, 1938 (श0) / 03 मार्च, 2017 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 03

(1) स्वास्थ्य विभाग	03
कुल योग —	03

हेल्थ कार्ड बनाना

7. श्री अनिल सिंह--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 2015-16 में 1.38 लाख गरीब परिवारों का हेल्थ कार्ड बनाया जाना था परन्तु मार्च, 2016 तक मात्र 71 लाख परिवारों का ही हेल्थ कार्ड बना है जिसके कारण शेष बचे 67 लाख गरीब परिवार मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित है, यदि हाँ, तो सरकार शेष बचे 67 लाख परिवारों का हेल्थ कार्ड नहीं बनाने वाले दोषी पदाधिकारियों को चिह्नित कर उनपर कार्रवाई करने एवं शेष बचे परिवारों का हेल्थ कार्ड बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बेडों की संख्या बढ़ाना

8. श्री विजय कुमार सिन्हा--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना के पी0एम0सी0एच0 अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रतिदिन 500 से भी अधिक मरीज आते हैं और इमरजेंसी वार्ड में बेडों की संख्या मात्र 100 है और आई0सी0यू0 में बेड की संख्या 10 है जिसके कारण ज्यादातार गरीब मरीज इलाज के अभाव में मर जाते हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार पटना के पी0एम0सी0एच0 अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड तथा आई0सी0यू0 में बेड की संख्या बढ़ाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मशीनों को ठीक कराना

9. श्री संजय सरावगी--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 17 जनवरी, 2017 को प्रकाशित शीर्षक "डी0एम0सी0एच0 का आई0सी0यू0 स्वयं वेंटीलेटर पर" को ध्यान में रखते हुये क्या माननीय मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि डी0एम0सी0एच0, दरभंगा उत्तर बिहार का सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान है जहाँ प्रतिदिन 5 हजार मरीज इलाज के लिये आते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि डी0एम0सी0एच0 के मेडिसिन आई0सी0यू0 में सेन्ट्रल मोनिटर एवं छः अतिरिक्त मोनिटर, इन्डोस्कोपी मशीन तथा टी0एम0टी0 मशीन पिछले तीन वर्षों से खराब पड़ी है, जिसके कारण मरीजों को इलाज कराने में परेशानी होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड (2) में वर्णित मशीनों को ठीक कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 3 मार्च, 2017 (ई0) ।

राम श्रेष्ठ राय,
सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि0स0मु0 (एल0ए0), 112-डी0टी0पी0-500